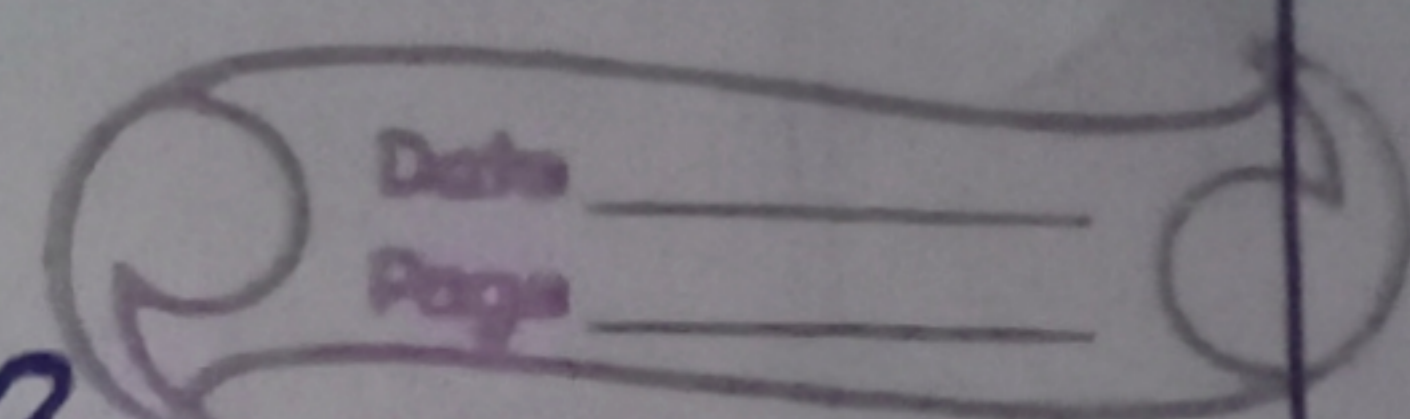


Bihar :

Structure and Relief / Physiography and Structure



- परिचय (Introduction) :-

दक्षिण की समतल की समतल के दृष्टि-
कोण से बिहार में विभिन्नता मिलती
है। इसके एक ओर हिमालय की
बाहु श्रेणी या शिवालिक श्रेणी स्थित
है, तो दूसरी ओर प्रायद्वीपीय पठार
का भू-भाग। इन दोनों के बीच
गंगा का मुख्यवर्ती मैदान स्थित है
जिसके बीच-बीच गंगा नदी बहती
है। इसे बिहार का मैदान भी कहा
जाता है। इन तीनों दक्षिणीय रूपों
में काफी असमानता पायी जाती है।
मैदानी भाग लगभग समतल है,
किन्तु इसमें भी स्थानीय विभिन्नता
मिलती है। पर्वतीय भाग विभिन्न
पहाड़ियों और खादियों से भरा है,
तो पठारी भाग में भी विभिन्नता
पायी जाती है। उच्चावच के दृष्टि-
कोण से बिहार मुख्यतः एक मैदान
है, किन्तु पर्वतीय भाग एवं पठारी
भाग की कमी; इसके संकीर्ण
उत्तरी - पश्चिमी और दक्षिणी भाग
में विस्तृत है।

- दक्षिणीय रूप और उच्चावच

(Structure and Relief) : —

उच्चान्यु या बरातलीय रूप के आधार पर बिहार को तीन भागों में बाँटा जा सकता है —

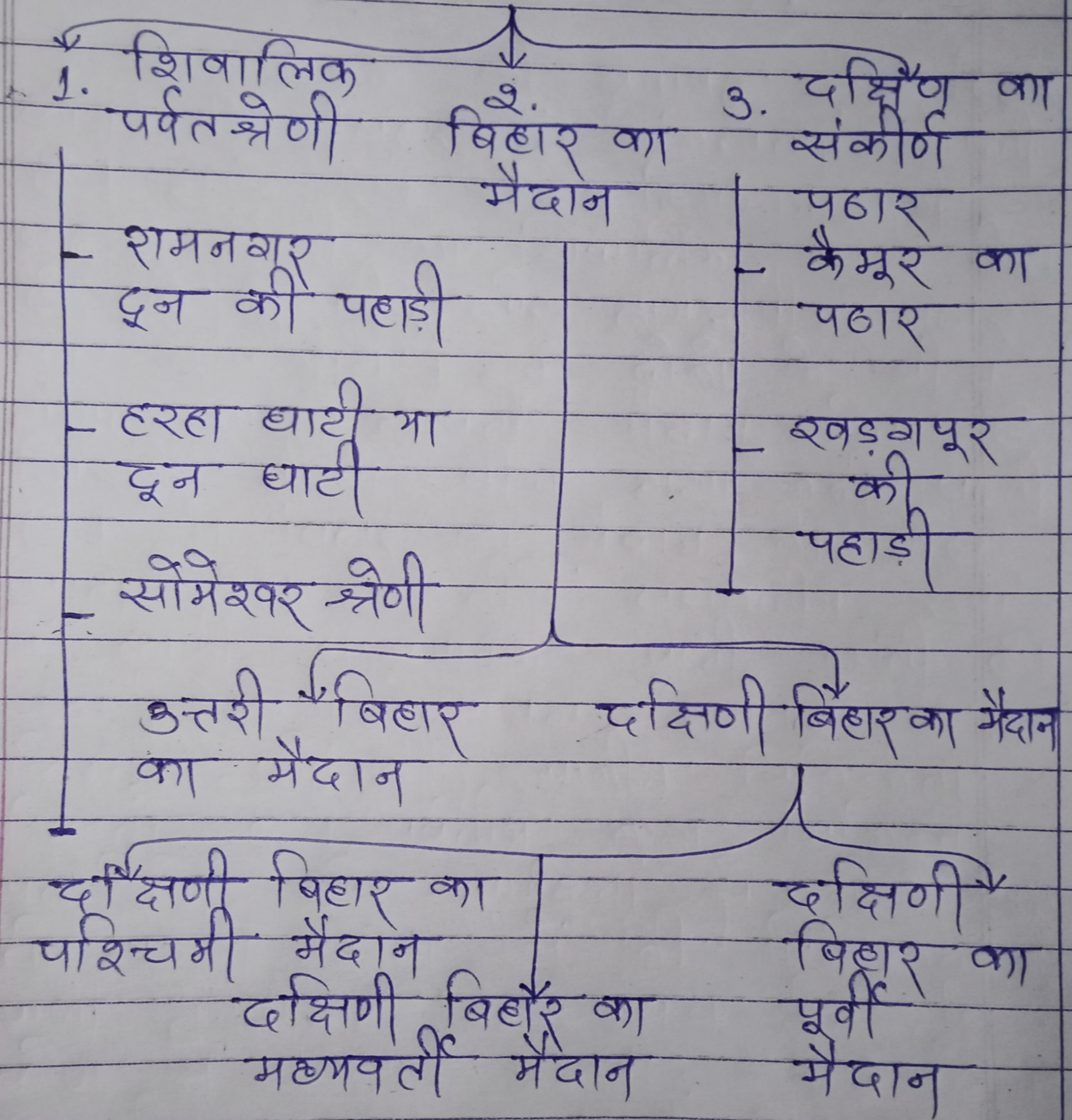
1. शिवालिक पर्वतश्रेणी
2. बिहार का मैदान
3. दक्षिण का संकीर्ण पठार

1. शिवालिक पर्वतश्रेणी : — यह हिमा-

लय पर्वत

की शिवालिक श्रेणी का निचला भाग है जो बिहार की उत्तरी-पश्चिमी भाग में पश्चिम चम्पारण जिला के उत्तरी भाग में स्थित है। यह एक छोटी-सी पर्वतीय पट्टी है, जो केवल 932 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है। यह बिहार के मैदानी भाग से 160 मीटर की समान्य रेखा से अलग होती है। इसकी ऊँचाई 250 से 850 मीटर के बीच है। यह क्षेत्र बहुत कम आबाद है, जहाँ मुख्यतः पाले जनजाति रहती है। इस छोटे से क्षेत्र में दो पर्वत श्रेणियाँ पायी जाती हैं, जिनके बीच नदी की खाड़ी स्थित है। ये सभी नेपाल की सीमा के समानांतर उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित हैं।

उच्चपंच / छरातलीय रूप



Next Class : शिवालिक पर्वतश्रेणी के उप - विभाग

By : Dr. Md. Jamshed Alam